भारतीय अर्थव्यवस्था

24th Revised Edition

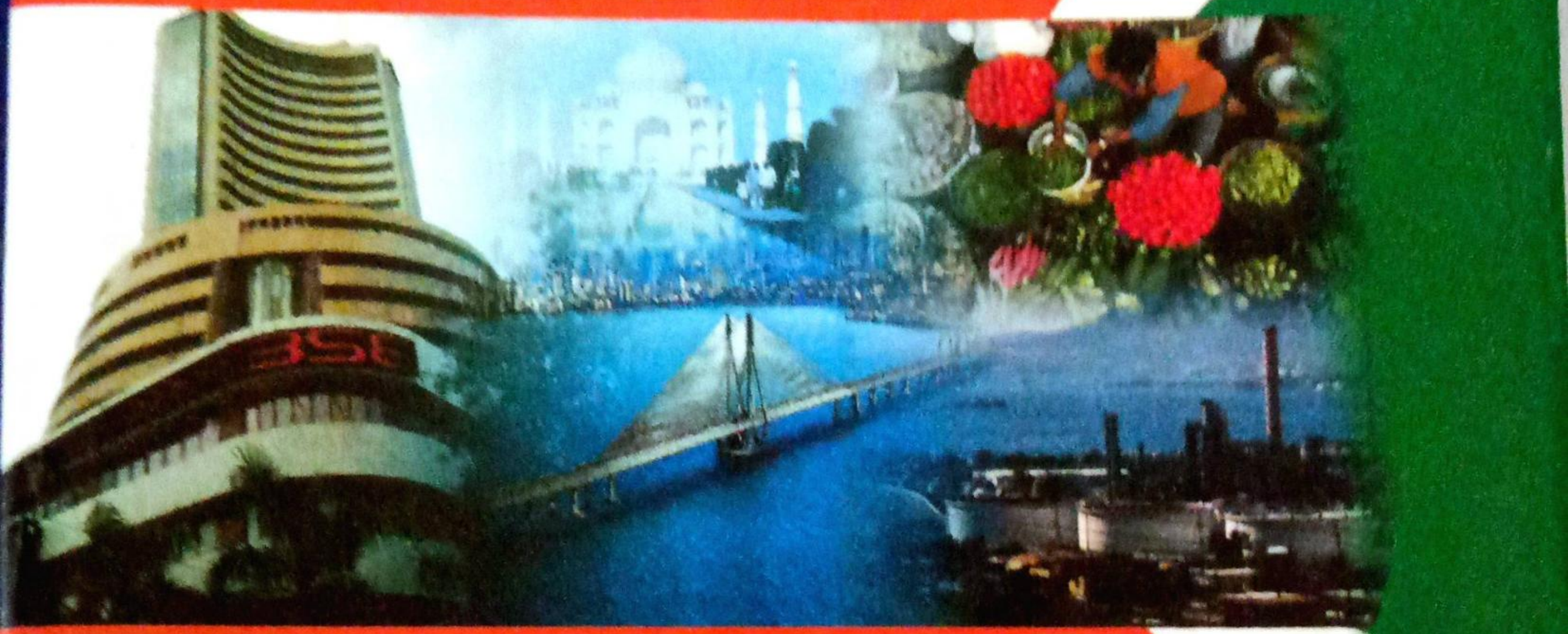

मिश्र • पुरी

Himalaya Publishing House

Scanned by TapScanner

विषय-सूची

भाग I

आर्थिक संवृद्धि और विकासः एक सैद्धान्तिक विवेचन 1–61

भाग I : संक्षिप्त आंकड़े 2

1. आर्थिक संवृद्धि, विकास और अल्पविकास 3–16

आर्थिक संवृद्धि की संकल्पना 4

आर्थिक विकास क्या है? 5

संवृद्धि और विकास : संकल्पनाओं की तुलना 7

अल्पविकास : अर्थ एवं सूचक 8

अल्पविकसित/विकासशील देशों के सामान्य लक्षण 10

2. आर्थिक और मानव विकास 17–38

आर्थिक विकास के कारक 17

आर्थिक विकास की युक्ति 22

मानव विकास 25

मानव विकास सूचकांक 29

लिंग-असमानता सूचकांक 33

बहुआयामीय निर्धनता सूचकांक 34

आर्थिक संवृद्धि तथा मानव विकास में संबंध 36

मानव विकास के ढाँचे में योजनाओं को ढालना 37

3. पर्यावरण तथा विकास 39–61

पर्यावरण संरक्षण तथा धारणीय विकास 40

आर्थिक विकास तथा पर्यावरण अधःपतन 41

जनसंख्या एवं पर्यावरण का संबंध 44

पर्यावरण संरक्षणः अनिवार्य या अनावश्यक अपव्यय ? 48

विकासशील देशों में पर्यावरण संरक्षण के प्रयास 51

विश्व स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रयास 55

Scanned by TapScanner

भाग II

भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना — **63–245**

भाग II : संक्षिप्त आंकड़े — 64

4. उपनिवेशवाद और अल्पविकास — **65–75**

उपनिवेशवाद : अर्थ और विशेषताएं — 66
अंग्रेजी शासन और भारत का शोषण — 67
अंग्रेजी शासन काल में भारत का अल्पविकास — 69
राज्य की नीतियां और आर्थिक गतिहीनता — 72

5. भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप — **76–87**

भारत – एक अल्पविकसित अर्थव्यवस्था — 76
भारत – एक विकासशील अर्थव्यवस्था — 82

6. प्राकृतिक संसाधन — **88–100**

प्राकृतिक संसाधन और आर्थिक विकास — 89
भूमि संसाधन — 89
भू-क्षरण — 91
जल संसाधन — 93
वन-साधन — 95
खनिज संसाधन — 98

7. आधारिक संरचना — **101–128**

ऊर्जा के स्रोत व मांग — 102
विद्युत-शक्ति या बिजली — 103
कोयला — 106
तेल और गैस — 108
परमाणु ऊर्जा — 110
ऊर्जा के गैर-परंपरागत स्रोत — 110
ऊर्जा का संकट — 112
ऊर्जा युक्ति (रणनीति) — 112
भारत में परिवहन व्यवस्था — 115
रेल परिवहन — 116
रेलवे विकास के मुद्दे व समस्याएँ — 117
सड़क परिवहन — 119
जल परिवहन — 122
वायु परिवहन — 124
संचार — 126

Scanned by TapScanner

8. जनसंख्या और आर्थिक विकास 129–151

जनसंख्या विस्फोट का अर्थ 129

भारत में जनसंख्या : जनांकिकी प्रवृत्तियां 131

जनसंख्या की आयु संरचना तथा उसका जनांकिकी लाभ 134

भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण 138

जनसंख्या और आर्थिक विकास 141

जनसंख्या सम्बन्धी नीति 145

9. व्यावसायिक संरचना और शहरीकरण 152–164

व्यावसायिक संरचना और आर्थिक विकास 152

व्यावसायिक संरचना में अन्तर 153

व्यावसायिक संरचना के निर्धारक कारक 154

भारत में जनसंख्या का व्यावसायिक वितरण 155

व्यावसायिक संरचना में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन न होने के कारण 158

शहरीकरण 159

10. भारत में रोजगार एवं बेरोजगारी 165–190

रोजगार की प्रवृत्तियां 165

रोजगार की संरचना 168

भारत में बेरोजगारी का स्वरूप व अनुमान 172

शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी 176

ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी 178

बेरोजगारी के कारण 179

बेरोजगारी निवारण सम्बन्धी सरकारी नीति 180

मुख्य रोजगार कार्यक्रम 183

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम 186

11. भारत में पूंजी निर्माण 191–202

आर्थिक संवृद्धि के लिए भारत की पूँजी संबंधी आवश्यकता 191

घरेलू बचत 192

घरेलू पूँजी निर्माण 198

12. भारत की राष्ट्रीय आय 203–213

राष्ट्रीय आय की प्रवृत्तियां 203

प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय 208

राष्ट्रीय उत्पाद का उद्योगवार सृजन 208

सेवा निर्देशित संवृद्धि 212

13. भारत में राष्ट्रीय आय का वितरण 214–224

आय वितरण का ढांचा 214

आर्थिक सुधारों की अवधि में आय की असमानताएं बढ़ाने वाली संवृद्धि 217

भारत में आय में असमानताओं के कारण 219

सरकारी नीति 221

Scanned by TapScanner

14. भारत में गरीबी — 225–245
- गरीबी की रेखा की अवधारणा — 225
- गरीबी के अनुमान — 226
- बहुआयामी निर्धनता — 235
- ग्रामीण गरीबी — 238
- आर्थिक संवृद्धि का ग्रामीण गरीबी पर प्रभाव — 239
- गरीबी निवारण के कार्यक्रम — 241
- गरीबी निवारण की युक्ति (रणनीति) — 242

भाग III

कृषि क्षेत्र का विकास व समस्याएं — 247–381

भाग III : संक्षिप्त आंकड़े — 248

15. भारतीय कृषि : भूमिका, स्वरूप तथा फसलों का ढांचा — 249–256
- भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका — 249
- भारतीय कृषि का स्वरूप — 251
- भारत में फसलों का ढांचा — 254

16. भारतीय कृषि नीति के विभिन्न पहलू व चुनौतियां — 257–275
- योजनाओं के दौरान भारतीय कृषि नीति — 257
- कृषि में निवेश की प्रवृत्ति — 262
- राष्ट्रीय कृषि नीति — 266
- विश्व व्यापार संगठन और भारतीय कृषि — 267
- कृषि क्षेत्र की संवृद्धि : कुछ शोचनीय मुद्दे — 274

17. कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता — 276–285
- कृषि उत्पादन व उत्पादकता की प्रवृत्तियां — 276
- कृषि उत्पादकता का निम्न स्तर — 280
- उत्पादकता कम होने के कारण — 281
- कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के उपाय — 283

18. भूमि सुधार — 286–300
- भारत में भूधारण प्रणालियां — 286
- भूमि सुधारों के उद्देश्य — 288
- मध्यस्थों का उन्मूलन — 288
- काश्तकारी सुधार — 289
- जोतों की सीमाबन्दी — 292
- भारत में कृषि जोत — 294
- उपविभाजन एवं अपखंडन की समस्या का समाधान — 296

Scanned by TapScanner

सहकारी खेती 297
भारत में भूमि सुधारों का मूल्यांकन 298

19. कृषि आगत और हरित क्रान्ति 301–323
उर्वरक 301
उन्नत किस्म के बीज 304
कीटनाशक दवाएं 306
खेती में मशीनीकरण 307
सिंचाई 309
नई कृषि युक्ति और हरित क्रांति 312
हरित क्रांति का प्रभाव 313

20. कृषि वित्त 324–341
कृषि वित्त की आवश्यकता 324
कृषि वित्त के स्रोत 325
सहकारी साख संगठन 328
व्यापारिक बैंक और ग्रामीण साख 332
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 334
कृषि और ग्रामीण विकास का राष्ट्रीय बैंक 336
वित्तीय समावेशन 339

21. कृषि पदार्थों का विपणन 342–348
भारत में कृषि विपणन की व्यवस्था 342
कृषि विपणन व्यवस्था के दोष 343
कृषि विपणन व्यवस्था में सुधार की दृष्टि से सरकार द्वारा उपाय 344
सहकारी विपणन 347

22. कृषि कीमतें और कृषि कीमत नीति 349–355
कृषि कीमतों की प्रवृत्तियां 349
कृषि कीमत नीति की आवश्यकता 350
भारत में कृषि कीमत नीति 351
सरकार की कृषि कीमत नीति का मूल्यांकन 353

23. भारत में खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली 356–370
खाद्य सुरक्षा की समस्या 356
भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली 358
लक्षित सार्वजनिक वितरण योजना 361
ICDS तथा दोपहर भोजन योजना 365
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विधेयक 370

24. खेतिहर मजदूर 371–381
खेतिहर मजदूर की परिभाषा 371

Scanned by TapScanner

खेतिहर मजदूरों की श्रेणियां
खेतिहर मजदूरों की संख्या में वृद्धि
खेतिहर मजदूरों की संख्या में वृद्धि के कारण
खेतिहर मजदूरों की स्थिति और समस्याएं
सरकार द्वारा सुधार की दिशा में किए गए उपाय
सुधार के लिए उपाय

भाग IV
भारत का औद्योगिक तथा सेवा क्षेत्र 383–522

भाग IV : संक्षिप्त आंकड़े 384

25. योजनाकाल में भारत का औद्योगिक विकास 385–400
योजनाकाल में औद्योगिक विकास 386
औद्योगिक संवृद्धि : पहले चरण (1951-65) में मजबूत औद्योगिक आधार 389
औद्योगिक संवृद्धि : दूसरे चरण (1965-80) में मंदी व संरचनात्मक प्रतिगमन 389
औद्योगिक संवृद्धि : तीसरे चरण (1980 के दशक) में औद्योगिक पुनरुत्थान 391
उदारीकरण और औद्योगिक संवृद्धि : 1991 से बाद की अवधि 393
योजनाकाल में औद्योगिक ढाँचे में परिवर्तन 397
भारत में औद्योगिक विकास की समस्याएं 398

26. औद्योगिक नीति 401–414
1991 से पूर्व की औद्योगिक नीति 401
नई औद्योगिक नीति, जुलाई 1991 408
नई औद्योगिक नीति 1991 का मूल्यांकन 410
राष्ट्रीय विनिर्माण नीति 412

27. भारत में सार्वजनिक क्षेत्र और निजीकरण की नीति 415–428
अर्थव्यवस्था का सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में विभाजन 415
भारतीय अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका 416
सार्वजनिक क्षेत्र का निष्पादन 418
सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की समस्याएं 421
आर्थिक सुधारों की अवधि में सार्वजनिक क्षेत्र के प्रति नीति 424
निजीकरण की नीति 425

28. प्रमुख बड़े उद्योग 429–441
वस्त्र उद्योग 429
लोहा तथा इस्पात उद्योग 432
जूट उद्योग 436
चीनी उद्योग 437
सीमेंट उद्योग 439

Scanned by TapScanner

29. लघु तथा कुटीर उद्योग 442—455

लघु औद्योगिक क्षेत्र की परिभाषा व अर्थ 442

भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु तथा कुटीर उद्योगों की भूमिका व निष्पादन 443

लघु व कुटीर उद्योगों के बारे में सरकारी नीति 447

लघु और कुटीर उद्योगों की समस्याएं 453

30. भारतीय अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र 456—467

निजी क्षेत्र की भूमिका 457

आर्थिक उदारीकरण के बाद निजी क्षेत्र का विकास 458

निजी क्षेत्र की समस्याएं 460

अध्याय 30 का परिशिष्ट : एकाधिकारी और प्रतिबंधक व्यापार व्यवहार अधिनियम, 1969 तथा प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 एवं 2007 463

31. भारत में औद्योगिक अस्वस्थता 468—476

औद्योगिक अस्वस्थता की परिभाषा 468

अस्वस्थता का आकार 469

औद्योगिक अस्वस्थता के कारण 470

औद्योगिक अस्वस्थता के परिणाम 472

सुधार के उपाय 473

32. औद्योगिक वित्त 477—488

उद्योगों की वित्त सम्बन्धी आवश्यकता 477

औद्योगिक वित्त के साधन 478

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम लिमिटेड 479

राज्य वित्त निगम 481

भारतीय औद्योगिक साख एवं निवेश निगम लिमिटेड 482

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक 483

भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक 485

भारतीय यूनिट ट्रस्ट 485

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक 486

भारतीय जीवन बीमा निगम 487

औद्योगिक वित्त की विशिष्ट संस्थाओं का मूल्यांकन 487

33. औद्योगिक श्रम 489—499

भारतीय श्रम की विशेषताएं 489

श्रमिकों के रोजगार और कार्य की दशाएं 490

भारत में सामाजिक सुरक्षा 491

श्रम-संघ 494

निर्गम नीति 497

34. भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र 500—522

भारत में सेवा क्षेत्र की प्रगति व उसका योगदान 501

Scanned by TapScanner

किन सेवाओं में अपेक्षाकृत तेज संवृद्धि हुई?
सेवा क्षेत्र में द्रुत प्रगति के कारण
रोजगार में सेवा क्षेत्र का हिस्सा
सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
भारत का सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रेरित सेवा उद्योग
सेवाओं में विदेशी व्यापार
सेवा निर्देशित संवृद्धि की धारणीयता का प्रश्न

भाग V

विदेश व्यापार **523–636**

भाग V : संक्षिप्त आंकड़े

35. भारत का विदेशी व्यापार : मूल्य, संरचना और दिशा
योजना काल में निर्यातों व आयातों का मूल्य
विदेशी व्यापार की संरचना
विदेशी व्यापार की दिशा
1991 के बाद भारत के विदेशी व्यापार की संवृद्धि एवं संरचना

36. भुगतान-शेष **541–557**
भुगतान शेष का अर्थ
भारत का भुगतान शेष : 1991 से पूर्व की अवधि
1991 के बाद भुगतान-शेष की स्थिति
भुगतान-शेष का प्रबंधन
चुनौतियां और दृष्टिकोण

37. भारत सरकार की व्यापार नीति **558–584**
आयात नीति : पूर्व-सुधार अवधि
निर्यात नीति : पूर्व-सुधार अवधि
1991 के बाद से व्यापार नीति में परिवर्तन
विदेश व्यापार नीति (2009-14)
अध्याय 37 का परिशिष्ट : विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र

38. विदेशी पूँजी और सहायता **585–60**
विदेशी पूँजी के रूप
विदेशी पूँजी की आवश्यकता
विदेशी पूँजी के प्रति भारत सरकार की नीति
विदेशी निवेश अन्तर्प्रवाह
भारत को विदेशी सहायता
विदेशी वाणिज्यिक उधार

Scanned by TapScanner

अनिवासी जमा राशि 602
भारत का विदेशी ऋण 604

39. **बहुराष्ट्रीय निगम, विदेशी विनिमय नियमन अधिनियम तथा विदेशी विनिमय प्रबन्धन अधिनियम** 606–615
बहुराष्ट्रीय निगमों का अर्थ 606
बहुराष्ट्रीय निगमों के विकास के कारण 607
विदेशी सहयोग और बहुराष्ट्रीय निगम 608
बहुराष्ट्रीय निगमों की गतिविधियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन 609
विदेशी निजी पूंजी पर नियन्त्रण 610
विदेशी विनिमय नियमन अधिनियम, 1973 611
विदेशी विनिमय प्रबन्धन अधिनियम, 1999 612
FEMA और FERA की तुलना 614

40. **भूमंडलीकरण और विश्व व्यापार संगठन** 616–636
भूमंडलीकरण 616
विश्व व्यापार संगठन 623
भारत और विश्व व्यापार संगठन 624
सिंगापुर मुद्दे तथा दोहा घोषणा पत्र 628
हांग कांग मंत्रीस्तरीय सम्मेलन 632
बातचीत की मौजूदा स्थिति और भारत का रुख 635

भाग VI

मुद्रा, बैंकिंग और लोकवित्त 637–735

भाग VI : संक्षिप्त आंकड़े *638*

41. **भारत में मुद्रा की पूर्ति और कीमतें** 639–652
आयोजन काल में कीमतों की प्रवृत्ति 639
आयोजन काल में मुद्रा की पूर्ति और उसका कीमतों पर प्रभाव 644
कीमतों को प्रभावित करने वाले मांग पक्ष की ओर के कारक 645
पूर्ति पक्ष की ओर से कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक 647
मुद्रास्फीति के परिणाम 648
मुद्रास्फीति के विरुद्ध सरकार की नीति 649

42. **भारत में व्यापारिक बैंकिंग** 653–666
बैंकिंग विकास – 1949-69 653
बैंकों का राष्ट्रीयकरण 654
बैंक राष्ट्रीयकरण के बाद की अवधि में शाखा विस्तार 656
जमाराशि संग्रहण 657

Scanned by TapScanner

बैंक साख [illegible]
राष्ट्रीयकरण के समय से बैंकिंग का मूल्यांकन [illegible]
वित्तीय प्रणाली समिति की रिपोर्ट [illegible]
बैंकिंग क्षेत्र में सुधार [illegible]

43. भारतीय रिज़र्व बैंक **667–678**
रिज़र्व बैंक के प्रमुख कार्य 669
रिज़र्व बैंक और साख-नियन्त्रण 671
अल्पकालीन तरलता प्रबन्धन 675

44. भारतीय कर ढांचा **679–693**
भारत में करों का बोझ 680
केन्द्रीय सरकार का कर राजस्व 681
राज्य सरकारों का कर राजस्व 682
आय और सम्पत्ति पर कर 683
परोक्ष कराधान 686
भारतीय कर ढांचे का मूल्यांकन 689
1991 के बाद कर सुधार 691

45. भारत में लोक व्यय **694–704**
स्वतंत्रता के बाद सरकार की अधिक सक्रिय भूमिका 694
लोक व्यय में वृद्धि 696
लोक व्यय की रचना 698
लोक व्यय में वृद्धि के कारण 701
लोक व्यय प्रबंध 702

46. भारत की राजकोषीय नीति **705–716**
भारत में राजकोषीय नीति के उद्देश्य 705
राजकोषीय असंतुलन और नया राजकोषीय दृष्टिकोण 708
भारत में राजकोषीय उत्तरदायित्व 712

47. केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्ध **717–735**
संघीय वित्त 718
वित्त आयोगों के माध्यम से कर राजस्व अन्तरण : 1951-2000 718
वित्त आयोगों के माध्यम से कर राजस्व अन्तरण : 2000 से 2010 722
सहायक अनुदान 724
तेरहवें वित्त आयोग की सिफारिशें : अवधि 2010-15 727
साधन अंतरण के अन्य स्रोत 731
भारत में संघीय वित्त की समस्याएं 732
स्थिति में सुधार के लिए सुझाव 734

Scanned by TapScanner

भाग VII

आर्थिक आयोजन तथा विकास **737–844**

भाग VII : संक्षिप्त आंकड़े 738

48. आर्थिक आयोजन : तर्काधार, विशेषताएं एवं उद्देश्य **739–755**

आर्थिक आयोजन का अर्थ 739
आयोजन का तर्काधार 740
भारतीय योजनाओं की प्रमुख विशेषताएं 741
आर्थिक आयोजन के उद्देश्य 743
आर्थिक आयोजन के उद्देश्यों का मूल्यांकन 754

49. आयोजन की युक्ति **756–767**

भारत की विकास योजनाओं की युक्ति – प्रारम्भिक चरण 756
आयात प्रतिस्थापन 758
प्रारम्भिक विकास-युक्ति का मूल्यांकन 760
महलानबीस विकास-युक्ति की असफलता 761
विकास की महलानबीस युक्ति से दूर हटना 762
कृषि विकास जनित संवृद्धि युक्ति 763
नई विकास युक्ति 765
दसवीं योजना की विकास युक्ति 766

50. नई आर्थिक नीति **768–783**

आर्थिक संकट का आरंभ 768
भारत में आर्थिक सुधार 770
समष्टि आर्थिक स्थिरीकरण 771
ढाँचागत सुधार 775
आर्थिक सुधारों का मूल्यांकन 780

51. संसाधनों का आबंटन–भारतीय योजनाओं में निवेश ढाँचा **784–793**

योजनाओं में विभिन्न क्षेत्रों पर किए गए व्यय : 1951-85 अवधि 785
सातवीं योजना में संसाधनों का क्षेत्रवार आबंटन 789
आठवीं योजना में संसाधनों का क्षेत्रवार आबंटन 790
नौवीं योजना में संसाधनों का क्षेत्रवार आबंटन 791
दसवीं योजना में संसाधन का क्षेत्रवार आबंटन 792
योजनाओं के दौरान क्षेत्रवार संसाधन आबंटन पर नज़र 793

52. पंचवर्षीय योजनाओं का वित्तयन **794–806**

प्रारंभिक सात योजनाओं के लिए वित्तीय साधन 794
आठवीं योजना के लिए वित्तयन ढाँचा 801
नौवीं पंचवर्षीय योजना के लिए वित्तयन ढाँचा 802
दसवीं योजना के लिए वित्तयन ढाँचा 803
आलोचनात्मक मूल्यांकन 806

Scanned by TapScanner

53. भारतीय आयोजन का मूल्यांकन 807–825
भारतीय पंचवर्षीय योजनाएं : मूलभूत दृष्टिकोण 808
योजनाओं के लक्ष्य और उपलब्धियाँ 813
योजना प्रक्रिया का आलोचनात्मक मूल्यांकन 816
आर्थिक आयोजन की उपलब्धियां 821
उदारीकृत अर्थव्यवस्था में आयोजन 823

54. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना 826–844
ग्यारहवीं योजना की दीर्घकालीन दृष्टि तथा युक्ति 826
ग्यारहवीं योजना के पालनीय लक्ष्य 829
समष्टि आर्थिक ढाँचा 830
वित्तयन ढाँचा 831
रोजगार परिप्रेक्ष्य 832
क्षेत्रीय नीतियां 834
अध्याय 54 का परिशिष्ट : बारहवीं योजना (2012-17) का प्रपत्र 840–844
उद्देश्य तथा समष्टि आर्थिक प्राचल 840
सार्वजनिक क्षेत्र योजना का वित्तयन 841
क्षेत्रीय मुद्दे 842

सारणी-सूची

1.1 प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय उत्पाद डालरों में (2010) 10
1.2 अल्पविकसित देशों में कृषि में रोजगार व आय का प्रतिशत 12
1.3 चुनिंदा देशों में आर्थिक असमानता 14
3.1 ऊर्जा संबंधी उत्सर्जन 56
4.1 समायोजित प्रति व्यक्ति आय 69
5.1 उद्योगवार सकल घरेलू उत्पाद का प्रतिशत, 2009 78
5.2 मानव विकास सूचकांक—कुछ विकसित और अल्पविकसित देशों के लिए (वर्ष 2011) 80
7.1 प्राथमिक वाणिज्यिक ऊर्जा की मांग व उसका प्रक्षेपण (मिलियन टन, तेल तुल्य) 102
8.1 भारत की जनसंख्या में वृद्धि 131
8.2 औसत वार्षिक जन्म दरें और मृत्यु दरें (1950-51 से 2010-11) 132
8.3 मुख्य राज्यों में आयु वर्ग अनुसार जनसंख्या का प्रतिशत वितरण (1961 तथा 2001) 136
9.1 भारत में जनसंख्या का व्यावसायिक वितरण (1951 से 2001 तक) 15
9.2 भारतीय जनसंख्या का ग्रामीण-शहरी वितरण, 1961-2011 (जनसंख्या करोड़ में) 16
9.3 भारत में वर्ग I के शहरों व शहरी समूहों की जनसंख्या व जनसंख्या वृद्धि दर, 1951-2011 16
10.1 श्रम शक्ति, कार्य शक्ति तथा बेरोजगारी (UPSS) 16
10.2 विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार का अनुपात (सामान्य मुख्य व गौण स्थिति अनुसार), प्रतिशत के रूप में 16

Scanned by TapScanner